॥ श्रीः ॥

128

विद्याभवन संस्कृत ग्रन्थमाला

१६९

धम्मपद-कोश

(मूल पालि शब्द–संस्कृत छाया–हिन्दी पर्याय)

सम्पादक

श्री कन्छेदीलाल गुप्त

एम० ए० (संस्कृत-हिन्दी), बी० टी०, विशारद

चौखम्बा विद्याभवन

वाराणसी

॥ श्रीः ॥

विद्याभवन संस्कृत ग्रन्थमाला
१६६

धम्मपद-कोश

(मूल पालि शब्द—संस्कृत छाया—हिन्दी पर्याय)

सम्पादक
श्री कन्छेदीलाल गुप्त
एम० ए० (संस्कृत-हिन्दी), बी० टी०, विशारद

चौखम्बा विद्याभवन
वाराणसी

प्रकाशक

चौखम्बा विद्याभवन

(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक तथा वितरक)

चौक (बनारस स्टेट बैंक भवन के पीछे)

पो० बा० नं० १०६९, वाराणसी २२१००१

दूरभाष : ३२०४०४

प्रथम संस्करण १९९२

मूल्य १०–००

अन्य प्राप्तिस्थान

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

के० ३७/११७, गोपालमन्दिर लेन

पो० बा० नं० ११२९, वाराणसी २२१००१

दूरभाष : ३३३४३१

*

चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान

३८ यू. ए., बंगलो रोड, जवाहरनगर

पो० बा० नं० २११३

दिल्ली ११०००७

दूरभाष : २३६३९१

मुद्रक

श्रीजी मुद्रणालय

वाराणसी

प्राक्कथन

धम्मपद पालिभाषा में प्रणीत बौद्धधर्म का एक अनूठा ग्रंथ है। पालिभाषा सीखने के लिए इससे अच्छा दूसरा ग्रंथ नहीं है। मैंने सन् १९६८ में इसका संस्कृत एवं हिन्दी में छायानुवाद कर, इसकी विस्तृत भूमिका प्रस्तुत की थी तथा चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी से यह ग्रन्थ प्रकाशित हुआ था। तभी से मेरी इच्छा इसका शब्दकोश, इसका व्याकरण तथा धम्मपदकालीन भारतवर्ष को प्रस्तुत करने की थी।

इस वर्ष चौखम्बा विद्याभवन के स्वत्वाधिकारियों के अनुरोध पर यह शब्दकोश प्रस्तुत किया जा रहा है। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं—

१. इस कोश में धम्मपद में आये हुए सभी आवश्यक शब्दों का समावेश है।

२. इस कोश का अध्ययन चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी से प्रकाशित धम्मपद के साथ करना उचित होगा।

३. अनेकों शब्द ऐसे हैं, जो सहजगम्य होने के कारण इस कोश में नहीं आ पाये हैं। उनका अध्ययन उपर्युक्त धम्मपद के संस्कृत एवं हिन्दी छायानुवादों से किया जा सकता है।

४. इस कोश के प्रथम कालम में पालिशब्द, द्वितीय कालम में उसका संस्कृत रूप तथा तृतीय कालम में हिन्दी पर्याय दिये गये हैं।

५. इस कोश में कुछ विकारी शब्दों (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण तथा क्रिया) के विभिन्न रूपों को दिया गया है, जिससे उनका तुलनात्मक अध्ययन कर व्याकरण के नियम सरलता से समझे जा सकते हैं।

६. इस कोश में लगभग १५०० शब्दों का समावेश है।

पालिभाषा की कुछ अपनी विशेषताएँ हैं, जो इस कोश के अध्ययन करने से स्पष्ट हो जाती हैं। धम्मपद के संस्कृत तथा हिन्दी छायानुवाद, धम्मपद का कोश तथा पालिभाषा का कोई भी प्रारंभिक व्याकरण इन तीनों का

साथ-साथ अध्ययन करने से पालिभाषा में समुचित प्रवेश हो सकता है, ऐसा मेरा विश्वास है।

इस कोश से न केवल छात्रों का, अपितु विद्वज्जनों को भी समान लाभ होगा; ऐसा मुझे विश्वास है।

मैं चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी के संचालकों का अत्यन्त कृतज्ञ हूँ, जिन्होंने इसे प्रकाशित कर जनता-जनार्दन के सामने उपस्थित किया है।

अन्त में अपने पाठकों से मेरा निवेदन है कि इस संस्करण में जो त्रुटियाँ दिखलाई पड़ें, कृपापूर्वक उन्हें अवश्य बतलाने की कृपा करें।

गाडरवारा
वैशाखशुक्ल पूर्णिमा
संवत् २०३३

—कन्छेदीलाल गुप्त

॥ श्रीः ॥

धम्मपद-कोश

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
	अ	
अंकुसग्गहो	अङ्कुशग्राहः	अंकुश ग्रहण करनेवाला महावत
अंतको	अन्तकः	मृत्यु
अंतलिक्खे	अन्तरिक्षे	आकाश में
अंतिमोऽयं	अन्तिमोऽयम्	यह अन्तिम है
अकक्कसं	अकर्कशाम्	जो कर्कश न हो, वह
अकतञ्ञूसि	अकृतज्ञोऽसि	अकृत (निर्वाण) को जाननेवाले हो
अकतानि	अकृतानि	बुरे कार्य
अकारियं	अकार्यम्	अकार्य
अकिच्चं	अकृत्यम्	अकर्तव्य
अकिञ्चनं	अकिञ्चनम्	जिसके पास कुछ नहीं है, वह
अकुब्बतो	अकुर्वतः	न करनेवाले का
अक्कोच्छि	अक्रोशीत्, अक्रुक्षन्	गाली दी
अक्कोधनं	अक्रोधनम्	जो क्रोध नहीं करता, वह
अक्कोसं	आक्रोशम्	अपशब्द
अक्खरानं	अक्षराणाम्	अक्षरों का
अक्खाता	आख्यातः	कहा गया है
अक्खातारो	आख्यातारः	कहने वाले
अगतं	अगताम्	न जानी-पहचानी हुई
अगारं	आगारम्	घर
अग्गिसिखूपमो	अग्निशिखोपमः	आग की ज्वाला के समान

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
अग्गिहुतं, अग्गिहुत्तं	अग्निहुतम्, अग्निहोत्रम्	अग्नि में डाला हुआ यज्ञ की अग्नि
अग्गी	अग्नि	आग
अग्घति	अर्हति	योग्य होता है
अच्चंत	अत्यन्त	अन्यन्त
अच्चुतं	अच्युतम्	न गिरनेवाला
अच्छिद्द	अच्छिनत्	काट लिया है
अच्छिद्दवुत्ति	अच्छिन्नवृत्तम्	अविचलित चरित्र वाले को
अज्जतनामिव	अद्यतनमिव	आज के समान
अज्झत्तरतो	अध्यात्मरतः	ध्यान में रत
अज्झायतो	अध्यायतः	ध्यान न करने वाले का
अञ्ञाय	आज्ञाय	जानकर
अञ्ञे	अन्ये	दूसरे
अञ्ञेसं	अन्येषाम्	दूसरों का
अट्ठीनि	अस्थीनि	हड्डियाँ
अतंदिते	अतन्द्रितानि	आलस्य-विहीन
अतित्तं	अतृप्तम्	अतृप्त रहने वाले को
अतिधोनचारिनं	अतिधावनचारिणम्	अतिक्रमण करने वाले को
अतिवसा	अतिवशा	अत्यन्त वशवर्ती
अतिवाक्यं	अतिवाक्यम्	कटुवाक्य
अत्तदंडेसु	आत्तदण्डेषु	जिसने दण्ड धारण किया है, उन पर
अत्तदंतस्स	आत्मदान्तस्य	अपने को दमन करने वाले का
अत्तदंतो	आत्मदान्तः	अपने को दमन करनेवाला
अत्तदत्थं	आत्मनोऽर्थम्	स्वधर्म
अत्तनो	आत्मनः	अपना स्वयं का
अत्ता	आत्मा	आत्मा
अत्थं	अर्थम्, अस्तम्	अर्थ, अस्त
अत्थम्हि	अर्थे	अर्थ में

[पा]लि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
दस्सनेन	अदर्शनेन	न देखने से
दस्सनं	अदर्शनम्	अदर्शन
दिन्नं	अदत्तम्	न दिया गया
धिगच्छे	अधिगच्छेत्	प्राप्त करे
धिमुत्तानं	अधिमुक्तानाम्	मुक्त होने वालों का
नक्खाते	अनाख्याते	अवर्णनीय में
नंगणो	अनङ्गणः	दोष रहित
नत्थ	अनर्थ	निरर्थक, अर्थहीन
नत्थाय	अनर्थाय	अर्थहीनता के लिए, अनर्थ के लिए
नन्वाहत	अनन्वाहत	अनाहत, चोट न खाया हुआ
नपायिनी	अनपायिनी	न छोड़ने वाली
नपेक्खिनो	अनपेक्षिनः	निःस्पृह लोग
नप्पकं	अनल्पकम्	महान्
नवट्ठित	अनवस्थित	जो स्थित नहीं है, वह
नवस्सुत	अनवस्रुत	मल रहित
नागारेहि	अनागारैः	गृह-विहीनों से
नाविलो	अनाविलः	स्वच्छ
नासवा	अनास्रवाः	मल रहित
निक्कसावो	अनिष्कषायः	मल को न त्यागे हुए
निच्चा	अनित्याः	अनित्य रहने वाले
निब्बिसं	अनिर्विशमानः	खोज करता हुआ
निवेसनो	अनिवेशनः	आसक्ति रहित
निस्सितो	अनिःसृतः	आसक्ति रहित, अनासक्त
नीघो	अनघः	पापरहित
नुट्ठहानो	अनुत्तिष्ठन्	न उठता हुआ
नुट्ठान	अनुत्थान	मरम्मत न करना
नुत्थुनं	अनुतन्वन्तः, अनुष्टुन्वन्	न खींचते हुए, प्रशंसा करते हुए
नुद्धतो	अनुद्धतः	विनयशील

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
अनुपद्दवे	अनुपद्रवे	दृढ़ होने पर
अनुपुब्बेन	अनुपूर्व्वेण	क्रमशः
अनुप्पत्तं	अनुप्राप्तम्	प्राप्त किया है
अनुयुंजति	अनुयुनक्ति	लगा रहता है
अनुविचिंतयं	अनुविचिन्तयन्	चिन्तन करता हुआ
अनुविच्च	अनुविद्य	विचार करके
अनुसासेय्य	अनुशिष्यात्	उपदेश दें
अनुसिक्खिनं	अनुशिक्षिताम्	शिक्षित होने वाले का
अनुस्सुका	अनुत्सुकाः	जो उत्सुक नहीं हैं, वे
अनुस्सुतं	अनुश्रुतम्	बहुश्रुत का
अनूहते	अनिहते	नष्ट न होने पर
अनेजं	अनेजम्	निष्पाप, निष्कम्प
अनोकसारिं	अनोकःसारिणम्	वे घर के घूमने वाले
अपजितं	अपजितम्	पराजय
अपञ्ञस्स	अप्रज्ञस्य	प्रज्ञा-विहीन का
अपटिवद्धचित्तो	अप्रतिबद्धचित्तः	जिसका मन बँधा नहीं है
अपत्थानि	अपत्थ्यानि	अपथ्य
अपविद्धं	अपविद्धम्	अपविद्ध
अपस्सं	अपश्यन्	न देखते हुए
अपुञ्ञलाभो	अपुण्यलाभः	अपुण्य की प्राप्ति
अपुथुज्जनसेवितं	अपृथग्जनसेवितम्	कम लोगों से सेवित
अपेक्खा	अपेक्षा	आसक्ति
अप्पं	अल्पम्	कम
अप्पका	अल्पकाः	कम
अप्पदुट्ठस्स	अप्रदुष्टस्य	दोष रहित मनुष्य का
अप्पबोधति	अप्रबुध्यति	सहन नहीं करता
अप्पमत्तस्स	अप्रमत्तस्य	प्रमाद रहित का
अप्पमत्तो	अल्पमात्रः	कम परिमाण वाला
अप्पमादम्हि	अप्रमादे	अप्रमाद में

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
अप्पमादरता	अप्रमादरताः	अप्रमाद में रत
अप्पमादे	अप्रमादे	अप्रमाद में
अप्पमादेन	अप्रमादेन	अप्रमाद से
अप्पमादो	अप्रमादः	अप्रमाद
अप्पलाभो	अल्पलाभः	कम लाभ
अप्पसत्थो	अल्पसार्थः	थोड़े साथियों वाला
अप्पसादा	अल्पस्वादः	कम स्वाद वाला
अप्पस्सुतायं	अल्पश्रुतोऽयम्	अल्प ज्ञान प्राप्त किया हुआ
अप्पिच्छं	अल्पेच्छम्	कम इच्छा वाला
अप्पियानं	अप्रियाणाम्	अप्रियों का
अप्पियेहि	अप्रियैः	अप्रियों के साथ
अप्पियो	अप्रियः	अप्रिय
अप्पोस्सुको	अल्पोत्सुकः	कम उत्सुक हुआ
अमतं	अमृतम्	अमृत
अबलस्सं	अबलाश्वम्	निर्बल घोड़ा
अब्बतो	अव्रतः	व्रत रहित रहने वाला
अब्भक्खानं	अभ्याख्यानम्	निन्दा
अब्भंतरं	आभ्यन्तरम्	भीतर का भाग
अब्भा	अभ्रात्	बादल से, आकाश से
अभब्बो	अभव्यः	सम्भव नहीं है
अभिञ्ञाय	अभिज्ञाय	जानकर
अभिवट्ट	अभिरूढम्	बढ़ी हुई
अभिभुय्य	अभिभूय	हटा करके
अभिमंथति	अभिमथ्नाति	मथित करता है
अभूतवादी	अभूतवादी	असत्य बोलने वाला
अमतञ्ञु	अमात्राज्ञम्	परिणाम को न जानने वाला
अमतोगधं	अमृतागाधम्	अगाध अमृतत्व
अमित्तेन	अमित्रेण	शत्रु से
अयोगा	अयोगात्	अयोग से

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
अयोगुलो	अयोगुलम्	लोहे का गोला
अयोगे	अयोगे	अयोग्य कार्य में
अयोजयं	अयोजयन्	न लगाता हुआ
अरञ्ञानि	अरण्यानि	जंगल
अरहतो	अर्हतः	अर्हत
अरियप्पवेदिते	आर्यप्रवेदिते	आर्यों के द्वारा प्रतिपादित
अरियो	आर्यः	आर्य
अलंकते	अलङ्कृते	अलंकृत में
अलज्जिताये	अलज्जार्हे	अलज्जा के योग्य
अलद्धा	अलब्ध्वा	प्राप्त नहीं किया
अलिकं	अलीकम्	झूठ
अलीकवादिनं	अलीकवादिनम्	झूठ बोलने वाले को
अलीनेनप्पगब्भेन	अलीनेनाप्रगल्भेन	आलस्य-विहीन तथा मित भाषी के द्वारा
अवज्जतो	अवद्यतः	दोष रहित से
अवज्जे	अवद्ये	दोष रहित
अविज्जा	अविद्या	अविद्या
अवितिण्ण	अवितीर्ण	समाप्त नहीं है
अविद्दसु	अविद्वान्	अविद्वान्
अवेक्खंतं	अवेक्षमाणम्	देखने वाले को
अवेरेन	अवैरेण	अशत्रुता से
असज्जमानं	आसज्यमानम्	अनासक्त रहने वाला
असज्झाय	अस्वाध्याय	स्वाध्याय न करना
असञ्ञता	असंयताः	संयम रहित लोग
असत	असद्	झूठा
असतं	असताम्	असत्पुरुषों का
असंतेत्थ	असन्तोऽत्र	यहाँ असन्त लोग
असंतासी	असन्त्रासी	निर्भय
असंयता	असंयताः	संयम रहित लोग

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
असंवुतं	असंवृतम्	संयम रहित
असंसट्ठं	असंसृष्टम्	अनासक्त
असब्भा	असभ्यात्	असभ्य बात से
असारतो	असारतः	असार वस्तु से
असारे	असारे	असार वस्तु में
असारं	असारम्	असार वस्तु को
असुभानुपस्सिं	अशुभमनुपश्यन्तम्	अशुभ न देखने वाले को
अस्मा	अस्मात्	इससे
अस्मिं	अस्मिन्	इसमें
अस्सद्धो	अश्रद्धः	श्रद्धा रहित
अस्सा	अश्वाः	घोड़े
अस्सुमुखो	अश्रुमुखः	अश्रुयुक्त मुख वाला
अस्सो	अश्वः	घोड़ा
अहासि	अहार्षीत्	लूट लिया
अहिरीकेन	अह्रीकेण	निर्लज्ज के द्वारा
अहिंसका	अहिंसकाः	अहिंसा व्रतधारी
अहिंसाय	अहिंसायाम्	अहिंसा में
अहेठयं	अहेडयन्	हानि न करता हुआ
अहोरत्ता	अहोरात्रम्	दिन-रात

आ

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
आकासे	आकाशे	आकाश में
आकिरतो	आकिरते	फैलाता है
आगतं	आगतम्	आये हुए को
आगम्म	आगम्य	आकर
आचिनं	आचिन्वन्	संचय करता हुआ
आजानीय	आजानेय	कुलीन
आदिच्चपथे	आदित्यपथे	सूर्य के मार्ग में
आदियति	आदत्ते	लेता है
आपज्जति	आपद्यते	प्राप्त करता है

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
आभस्सरा	आभास्वराः	ज्योति युक्त
आरग्गेरिव	आराग्रे इव	आरे की नोंक पर के समान
आरा	आरात्	दूर हटा हुआ
आरग्गा	आराग्रात्	आरे के अगले भाग से
आराधये	आराधयेत्	सेवन करे
आलसियं	आलस्यम्	आलस्य
आवासेसु	आवासेषु	निवासस्थलों में
आसवा	आस्रवाः	चित्त के मल
	इ	
इंद्रखील	इन्द्रकील	इन्द्र का स्तंभ
इंद्रियगुत्ती	इन्द्रियगुप्तिः	इन्द्रियों का संयम
इच्छती	इच्छन्ति	चाहते हैं
इच्छे	इच्छेत्	अभिलाषा करता है
इच्छेय्य	इच्छेत्	अभिलाषा करता है, करे
इञ्जितं	इङ्गितम्	अस्थिरता
इतरीतरेन	इतरेतरेण	एक-दूसरे से
इतरो	इतरः	दूसरा
इदं	इदम्	यह
इद्धिया	ऋद्धिकाः	समृद्धिशाली लोग
इध	इह	यहाँ
इधेवमेसा	इहैवमेषः	यहीं यह
इमं	इमम्	इस
इमेत्तमपि	इयन्मात्रमपि	इतना भी
इस्सरियं	ऐश्वर्यम्	ऐश्वर्य
इस्सुकी	ईर्ष्युकः	ईर्ष्यालु
	उ	
उक्कुटिक	उत्कुटिक	उकड़ूँ (एक आसन-विशेष से) बैठना
उक्खित्तपलिघं	उत्क्षिप्तपरिघम्	शृंखला को फेंक दिया है

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
उच्चयो	उच्चयः	संचय
उच्छिद	उच्छिन्धि	काट दो
उजुं	ऋजुम्	सीधा
उज्जुगतेसु	ऋजुगतेषु	सरल वृत्ति वालों में
उज्झानसञ्ञिनो	उद्ध्यानसङ्गिनः	चिढ़ने वाला
उज्झितस्मिं	उज्झिते	फेंके गये
उट्ठानकालम्हि	उत्थानकाले	उठने के समय
उट्ठानवतो	उत्थानवतः	उठने वाले का
उट्ठानेन	उत्थानेन	उठने से
उत्तमत्थं	उत्तमार्थम्	उत्तम अर्थ
उत्तिट्ठे	उत्तिष्ठेत्	उठे, उत्थानशील बने
उदबिंदु	उदबिन्दु	जल की बूँद
उदीरये	उदीरयेत्	बोले
उद्धरथत्तानं	उद्धरतात्मानम्	अपनी रक्षा करो
उन्नलानं	उन्मलानाम्	बढ़े हुए मलवालों का
उपकड्ढति	उपकर्षति	ले जाता है
उपच्चगा	उपातिगाः	(न) चूके
उपट्ठिता	उपस्थिताः	उपस्थित हैं
उपनय्हंति	उपनह्यन्ति	बाँधते हैं
उपपज्जिरे	उपपेदिरे	पहुँच गये
उपमं	उपमाम्	उपमा
उपसंतो	उपशान्तः	शान्त हुआ
उपसमस्स	उपशमस्य	शान्ति का
उपसम्मति	उपशाम्यति	शान्त हो जाता है
उपसग्गं	उपसर्गम्	दण्ड की प्राप्ति
उपेतो	उपेतः	युक्त
उपेहिसि	उपेष्यसि	जाओगे
उप्पज्जंति	उत्पद्यन्ते	उत्पन्न होते हैं
उप्पतितं	उत्पतितम्	उठे हुए

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
उप्पलं	उत्पलम्	कमल
उब्भतो	उद्भूतः	निकला हुआ
उब्भिज्ज	उद्भिद्य	फूटकर
उभयत्थ	उभयत्र	दोनों जगह
उभो	उभौ	दोनों
उय्युज्जंति	उद्युञ्जते	उद्योग करते हैं
उय्योगमुखे	उद्योगमुखे	वियोग के मुख पर
उसभं	ऋषभम्	मनुष्यों में श्रेष्ठ
उसीरत्थोव	उशीरार्थीव	खस को चाहने वाले के समान
उसुकारो	इषुकारः	बाण को बनाने वाला
उस्सुकेसु	उत्सुकेषु	उत्सुक मनुष्यों में
	ए	
एकचरियं	एकचर्याम्	अकेलापन
एकंतं	एकान्तम्	बिलकुल
एकसेय्यं	एकशय्यः	एक शय्या पर सोने वाला
एकस्स	एकस्य	एक का
एकासनं	एकासनम्	एक आसन रखने वाला
एतं	एतत्	यह
एतम्हि	एतं हि	यह ही
एतमत्थवसं	एतमर्थवशम्	इस अर्थ की बात जानकर
एते	एतान्	इन
एतेसं	एतेषाम्	इनका
एतेहि	एतैः	इनसे
एथ	एत	आओ
एवं	एवम्	इस प्रकार
एसा	एषा	यह
एहिसि	एष्यसि	जाओगे
	ओ	
ओकमोकत	उदकस्यौकतः	जल के घर से

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
ओका	ओकात्	घर से
ओघतिण्णो	ओघतीर्णः	बाढ़ को पार करने वाला
ओततं	आततम्	फैला हुआ
ओनद्धा	अवनद्धाः	घिरे हुए
ओपुणाति	आपुनाति	फैलाता है
ओवदेय्या	आवदेत्	कहे, उपदेश दे
ओहारिनं	अपहारि	नीचे खींचने वाला
ओहितो	आहितः	भरा है

क

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
कक्कुं	काङ्क्षम्	आकांक्षा
कञ्चि	किञ्चित्	कुछ
कटुप्पभेदनो	कटकप्रभेदनः	सेना को तितर-बितर करने वाला
कट्ठकस्सेव	काष्ठकस्येव	बाँस के (बने हुए के) समान
कण्हं	कृष्णम्	काला
कत	कृत	किया हुआ, बनाया हुआ
कताकतं	कृताकृतम्	अच्छे और बुरे कार्य
कतपुञ्ञं	कृतपुण्यम्	पुण्यवान् को
कत्तब्बं	कर्तव्यम्	कर्तव्य
कत्वा	कृत्वा	करके
कदरिया	कदर्याः	कृपण लोग
कदरियं	कदर्यम्	कृपण को
कद्दम	कर्दम	कीचड़
कवलं	कवलम्	कौर
कमुद्दिसेय्यं	कमुद्दिशेयम्	किसके उपदेश लूँ
कम्मपथे	कर्मपथान्	कर्मपथों को
कम्मा	कर्मणः	कर्म से
कम्मानि	कर्माणि	कर्म
कम्मारो	कर्मारः	सुनार

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
कम्मिनो	कर्मिणः	कर्म करने वाले
कम्मेहि	कर्मभिः	कर्मों से
कम्मं	कर्म	कार्य
कयिरति	करोति	करता है
कयिरा	कुर्यात्	करे
कयिराथ	कुर्यात्	करे
कयिराथेनं	कुर्वीतैतद्	यह करे
कयिरं	कुर्यात्	करे
करिस्सति	करिष्यति	करेगा
करिस्सथ	करिष्यथ	करोगे
करे	कुर्यात्	करे
करोंता	कुर्वन्तः	करते हुए
करोंतो	कुर्वतः	करता हुआ
करोहि	कुरु	कर
कलं	कलाम्	कला, भाग
कलिं	कलिम्	कलह
कलिंगरं	कलिङ्गरम्	काष्ठ
कसा	कशा	कोड़ा
कंसो	कांस्यम्	काँसा
कहापण	कार्षापण	सोने की मुद्रा
कामतो	कामतः	काम से
कामेसु	कामेषु	कामों में
कायगता	कायगताः	शरीर में स्थित
कायदुच्चरितं	कायदुश्चरितम्	शरीर का दुश्चरित्र
कायप्पकोपं	कायप्रकोपम्	शरीर का क्रोध
कायस्स	कायस्य	शरीर का
कासावं	काषायम्	काषाय, गेरुवा
काहसि	करिष्यसि	बनाओगे
किच्च	कृत्य	कार्य, करने योग्य

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
किच्चेसु	कृत्येषु	कार्यों में
किच्चं	कृत्यम्	कार्य
किच्छो	कृच्छ्रः	कठिन
किच्छं	कृच्छ्रम्	कठिन
किंचि	किञ्चित्	कुछ
कितवा	कितवात्	जुआड़ी से
किर	किल	वास्तव में
किलिट्ठं	क्लिष्टम्	क्लेश से युक्त
किलिस्सेय्य	क्लिश्येत्	क्लेश को प्राप्त होवे
किस्मिचि	केषुचित्	किन्हीं में
कुंजरा	कुञ्जराः	बड़े हाथी
कुज्झेय	क्रुध्येत्	क्रोध करे
कुतो	कुतः	कहाँ
कुदाचनं	कदाचन	कभी
कुब्बतो	कुर्वतः	करता हुआ
कुब्बानं	कुर्वाणम्	करनेवाले को
कुसीतो	कुसीदः	दीर्घसूत्री
कुहिंचि	कुत्रचित्	कहीं
केनचि	केनचित्	किसी के द्वारा
कोचि	कश्चित्	कोई
कोधं	क्रोधम्	क्रोध
कोसज्जं	कोसीद्यम्	आलस्य
क्खय	क्षय	विनाश
क्खेपं	क्षेपम्	पतन
क्लेसेहि	क्लेशैः	क्लेशों से

ख

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
खंती	क्षान्तिः	क्षमाशीलता
खंतीबलं	क्षान्तिबलम्	क्षमा का बल
खंधादिसा	स्कन्धादिसमम्	शरीर धारण करने के समान

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
खंधानं	स्कन्धानाम्	शरीर के तत्त्वों का
खणति	खनति	खोदता है
खणथ	खनत	खोद डालो
खणातीता	क्षणातीताः	क्षण चूके हुए
खणे	क्षणे	क्षण में
खयमज्झगा	क्षयमध्यगात्	क्षय हो गया है
खत्तिये	क्षत्रियौ	क्षत्रिय
खत्तियो	क्षत्रियः	क्षत्रिय
खित्तो	क्षिप्तः	फेंका गया
खिप्पं	क्षिप्रम्	शीघ्र
खीणासवा	क्षीणास्रवाः	जिनके चित्त के मल नष्ट हो गये हैं, वे
खीणं	क्षीणम्	क्षीण
खीरपको	क्षीरपकः	दूध पीनेवाला
खीरं	क्षीरम्	दूध
खेत्तानि	क्षेत्राणि	खेत
खेमी	क्षेमी	क्षेम चाहनेवाला
खेमं	क्षेमम्	क्षेमकारी
खो	खलु	वास्तव में

ग

गंत्वा	गत्वा	जाकर
गंधब्बो	गन्धर्वः	गन्धर्व
गच्छे	गच्छेत्	जावे
गच्छेय्य	गच्छेत्	जावे
गणयं	गणयन्	गिनता हुआ
गतद्धिनो	गताध्वनो	जिसका मार्ग समाप्त हो गया है, वह
गब्भमुपेति	गर्भमुपैति	गर्भ में आता है
गब्भं	गर्भम्	गर्भ

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
गरुकं	गुरुकम्	भारी
गवेसंतो	गवेषयन्	खोजता हुआ
गवेस्सथ	गवेषयथ	खोजो
गहकारकं	गृहकारकम्	घर बनाने वाला
गहकूटं	गृहकूटम्	घर का शिखर
गहट्ठेहि	गृहस्थैः	गृहस्थों के द्वारा
गहनं	गहनम्	गहन
गहो	ग्रहः	ग्रह
गामे	ग्रामे	गाँव में
गामं	ग्रामम्	गाँव
गिही	गृही	गृहस्थ
गिम्हिसु	ग्रीष्मेषु	गर्मियों में
गुत्तो	गोप्ता	छिपाने वाला
गुत्तं	गुप्तम्	गुप्त
गुहासयं	गुहाशयम्	गुफा में छिपा हुआ
गेहं	गेहम्	घर
गोतमसावका	गोतमश्रावकाः	गौतम के श्रावक
गोत्तेन	गोत्रेण	गोत्र से
	घ	
घञ्ञाय	हत्यायै	हत्या के लिए
घरा	गृहम्	घर
घातये	घातयेत्	मारे
घातेति	घातयति	मारता है
घानेन	घ्राणेन	नाक से
	च	
चक्कं	चक्रम्	चक्र
चक्खुना	चक्षुषा	आँख से
चक्खुमा	चक्षुष्मान्	नेत्रधारी
चजंति	व्रजन्ति	जाते हैं

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
चजे	त्यजेत्	त्याग दे
चट्ठंगिकं	च + अष्टाङ्गिकम्	अष्टांगिक
चत्तारि	चत्वारि	चार
चत्तारो	चत्वारि	चार
चद्धगू	चाध्वगः	मार्ग का चलने वाला
चंदिमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा
चरं	चरन्	विचरण करता हुआ
चरे	चरेत्	चले, विचरण करे
चरेय्य	चरेत्	चले, विचरण करे
चापातो	चापतः	धनुष से
चाभयदस्सिनो	चाभयदर्शिनः	अभय देखने वाला
चारिकं	चारिकाम्	आचरण
चावज्जदस्सिनो	चावद्यदर्शिनः	अच्छों को देखने वाला
चित्तमचारि	चित्तमचरत्	चित्त विचरता रहा
चित्तस्स	चित्तस्य	चित्त का
चिरप्पवासिं	चिरप्रवासिनम्	देर तक यात्रा करने वाला
चुत्तरि	उत्तरम्	ऊपर
चुतिं	च्युतिम्	च्युति
चे	चेत्	यदि
चेतं	चैतद्	और यह
चेतरहि	च + एव + अत्र	यहीं
चोदयत्तानं	चोदयेदात्मानम्	अपने को प्रेरित करे

छ

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
छंदजातो	छन्दजातः	स्वतंत्रता से
छत्तिंसती	षट्त्रिंशत्	छत्तीस
छादेति	छादयति	छुपाता है, ढाँकता है
छिंद	छिन्धि	काट दो
छिंदथ	छिन्दत	काट डालो
छिज्जति	छिद्यते	काटा जाता है

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
छिन्नो पि	छिन्नोऽपि	कटा हुआ भी
छुद्दो	क्षुद्रः	तुच्छ
छेत्वा	छित्त्वा	काटकर
छेत्वान	छित्त्वा	काटकर

ज

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
जंबोनदस्सेव	जम्बूनदस्येव	स्वर्ण की, -के समान
जच्चा	जात्या	जन्म से
जञ्ञा	जानीयात्	समझे
जटाहि	जटाभिः	जटाओं से
जम्मी	जन्मिनी	जनमते रहने वाली
जरं	जराम्	वृद्धावस्था को
जल्लं	जलीयम्	जल
जहंति	जहति	त्याग देते हैं
जहे	जहीत	त्याग दो
जातम्हि	जाते	उत्पन्न होने पर
जातिजरं	जातिजराम्	जन्म और जरा
जानिं	ज्यानिम्	हानि
जायति, जायती	जायते	पैदा होता है
जिघच्छा	जिघृक्षा	संग्रह की प्रवृत्ति
जिण्णं	जीर्णम्	जीर्ण
जितमस्स	जितमस्य	इसकी विजय
जिनाति	जयति	जीतता है
जिने	जयेत्	जीत लेवे
जीरति	जीर्यति	जीर्ण होता है
जीरंति	जीर्यन्ति	जीर्ण होते हैं
जीवाम	जीवामः	जीवित रहते हैं
जीवितसंखयम्हि	जीवितसङ्क्षये	जीवन के क्षय होने पर
जीवे	जीवेत्	जीवित रहे
जुत्तमो	जित्तमः	जीतनेवाला

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
जुतीमंतो	ज्योतिष्मन्तः	दीप्तिमान्
जेत्वा	जित्वा	जीतकर
जेय्यं	जयेत्	जीत लेवे
	झ	
झानं	ध्यानम्	ध्यान
झाय	ध्याय	ध्यान कर
झायंति	ध्यायन्ति	ध्यान करते हैं
झायंतो	ध्यायन्तः	ध्यान करने वाले का
झायंतं	ध्यायन्तम्	ध्यान करने वाले को
झायिं	ध्यायिनम्	ध्यान करने वाले को
झायिनो	ध्यायिनः	ध्यान करने वाले का
झायी	ध्यायी	ध्यान करने वाला
	ञ	
ञतं	ज्ञप्तम्	ज्ञान
ञत्वा	ज्ञात्वा	जानकर
ञातका	ज्ञातिकाः	सम्बन्धी
ञातिमित्ता	ज्ञातिमित्राणि	जाति वाले व मित्रगण
ञातीनं	ज्ञातीनाम्	जातिबन्धुओं का
ञातीसु	ज्ञातीषु	जातिबन्धुओं में
	ठ	
ठपेत्वा	स्थापयित्वा	स्थापित करके
ठानानि	स्थानानि	स्थान
ठानेहि	स्थानैः	स्थानों से
ठानं	स्थानम्	स्थान
ठिति	स्थितिः	स्थिति
ट्ठितो	स्थितः	स्थित
	ड	
डय्हमानो	दह्यमानः	जलता हुआ
डहति	दहति	जलाता है

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
डहंतं	दहन्	जलता हुआ
डहं	दहन्	जलता हुआ
	त	
तक्करो	तत्कर:	उसे करने वाला
तच्छका	तक्षका:	बढ़ई
तज्जिता	तर्जिता:	दु:खित हुए
तण्हक्खयरतो	तृष्णाक्षयरत:	तृष्णा के विनाश में लगा हुआ
तण्हा	तृष्णा	तृष्णा
तण्हानुसये	तृष्णानुशये	तृष्णा के संस्कार
तण्हानं	तृष्णानाम्	तृष्णाओं का
तण्हाय	१. तृष्णाया:	तृष्णा से (पंचमी)
	२. तृष्णया	तृष्णा से (तृतीया)
तण्हासमा	तृष्णासमा	तृष्णा के समान
ततियं	तृतीयाम्	तीसरी
तत्रायमादि	तत्रायमादि:	वहाँ यह प्रथम है
तथेव	तथैव	वैसे ही
तत्थ	तत्र	वहाँ
तत्थेव	तत्रैव	वहीं
तदज्जहं	तदद्याहम् (तत् + अद्य + अहम्)	तो आज मैं
तदुट्ठाय	तदुत्थाय	उससे उठकर
तनुकेत्थ	तनुकोऽत्र	यहाँ कुछ ही
तपति	तपति	दु:ख पाता है
तप्पति	तप्यते	संतप्त हो जाता है
तसंति	त्रस्यन्ति	डरते हैं
तस्मा	तस्मात्	इससे
तसिणाय	तृष्णया	तृष्णा से
तसिणं	तृष्णाम्	तृष्णा को
तस्स	तस्य	उसका

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
ताणता	त्राणता	रक्षा
ताणाय	त्राणाय	रक्षा के लिए
तादि	तादृक्	वैसा
तादिना	तादृशः	उस प्रकार का
तादिसे	तादृशे	उस प्रकार के
तादिसं	तादृशम्	उस प्रकार का
ताव	तावत्	तब तक
तावता	तावता	तब तक
तिट्ठति	तिष्ठति	खड़ा होता है
तिण्ण	तीर्णः	पार गया हुआ
तिणदोसानि	तृणदोषानि	तृण के दोषयुक्त
तितिक्खति	तितिक्षते	सहन करता है
तितिक्खा	तितिक्षा	तितिक्षा
तितिक्खिस्सं	तितिक्षिष्ये	सहन करूँगा
तित्ति	तृप्तिः	तृप्ति
तिब्ब	तीव्रः	तेज
तीहि	त्रिभिः	तीन से
तुण्हीमासीनं	तूष्णीमासीनम्	शान्त बैठने वाला
तुट्ठि	तुष्टिः	सन्तोष
तुलं	तुलाम्	तुला को
तेजनं	तेजनम्	बाण
तेनत्तमनो	तेनाप्तमनाः	सचेत मन वाला

थ

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
थण्डिल	स्थण्डिलः	कड़ी जमीन
थले	स्थले	स्थल पर
थावरेसु	स्थावरेषु	स्थावरों में
थूलानि	स्थूलानि	बड़े, मोटे
थूलं	स्थूलम्	बड़ा, मोटा
थेरो	स्थविरः	बुड्ढा

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
थोकिका	स्तोकिका	थोड़ी
थोकं	स्तोकम्	थोड़ा
	द	
दज्जाप्पंपि	दद्याद् अल्पम् अपि	थोड़ा भी देवे
दड्ढो	दग्धः	जला हुआ
दंतस्स	दान्तस्य	दमन किये गये का
दंता	दान्ताः	दमन किये हुए
दंतं	दान्तम्	दमन किया हुआ
दंधं	तन्द्राम्	धीमी गति, आलस्य
दब्बी	दर्वी	करछली
दमथो	दमनम्, दमथः	दमन
दमयमत्तानं	दमयन् आत्मानम्	अपना दमन करता हुआ
दमेथ	दमयेत्	दमन करे
दल्हं	दृढाम्	दृढ़
दल्हमेनं	दृढम् एतत्	दृढ़तापूर्वक इसे
दसन्नमञ्ञतरं	दशानाम् अन्यतमम्	दश में से किसी एक को
दस्सनं	दर्शनम्	दर्शन
दस्सनमरियानं	दर्शनमार्याणाम्	आर्यों का दर्शन
दस्सनस्स	दर्शनस्य	दर्शन का
दस्सयंति	दर्शयन्ति	दर्शाते हैं
दस्सिनो	दर्शिनः	देखने वाला
दस्सिनं	दर्शनम्	देखने वाले को
दानिसि	इदानीम् असि	अब हो
दारुजं	दारुजम्	लकड़ी का
दिट्ठिं	दृष्टिम्	दृष्टि
दिट्ठो	दृष्टः	देखा गया है
दिब्बेसु	दिव्येषु	दिव्यों में
दिब्बं	दिव्यम्	दिव्य
दिस्वा	दृष्ट्वा	देखकर

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
दिस्वान	दृष्ट्वा	देखकर
दिस्संति	दृश्यन्ते	दिखलाई देते हैं
दीघमद्धानं	दीर्घमध्वानम्	मार्ग में बहुत
दीघा	दीर्घा	बड़ी
दीपेति	दीपयति	प्रकाशित करता है
दुक्कतं	दुष्कृतम्	बुरा कार्य
दुक्करं	दुष्करम्	कठिन
दुक्खं	दुःखम्	दुःख
दुक्खमिदं	दुःखमिदम्	यह दुःख है
दुक्खस्संतं	दुःखस्यान्तम्	दुःख का अन्त
दुक्खा	दुःखात्	दुःख से
दुक्खानुपतितो	दुःखानुपतितः	दुःख में गिरने वाला
दुग्गतिं	दुर्गतिम्	दुर्गति को
दुग्गहितो	दुर्गृहीतः	अच्छी तरह न पकड़ा हुआ
दुग्गा	दुर्गात्	कठिनाई से
दुच्चरितं	दुश्चरितम्	बुरा चरित्र
दुज्जीवं	दुर्जीवितम्	कठिन जीवन
दुट्ठेसु	दुष्टेषु	दुष्टों में
दुद्दमो	दुर्दमः	कठिनाई से दमन करने योग्य
दुद्दसं	दुर्दर्शम्	कठिनाई से देखे जाने योग्य
दुद्दिट्ठि	दुर्दृष्टिम्	मूर्ख बुद्धि वाले को
दुन्निग्गहस्स	दुर्निग्रहस्य	कठिनाई से निग्रह के योग्य का
दुन्निवारयो	दुर्निवार्यः	कठिनाई से निवारण करने योग्य
दुप्पञ्ञो	दुष्प्रज्ञः	बुरी बुद्धि वाला
दुप्पब्बज्जं	दुष्प्रव्रज्यम्	संन्यास लेना कठिन है
दुप्पमुञ्चं	दुष्प्रमोचम्	कठिनाई से छूटने योग्य
दुप्परामट्ठं	दुष्परामृष्टम्	अच्छी तरह अभ्यास न किया गया

12.7.72

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
दुब्बलं	दुर्बलम्	दुर्बल
दुम्मेधा	दुर्मेधसः	दुष्ट बुद्धि वाले मनुष्य
दुम्मेधिनो	दुर्मेधसः	दुष्ट बुद्धि वाले मनुष्य
दुम्मेधो	दुर्मेधा	दुष्ट बुद्धि वाला मनुष्य
दुम्मेधं	दुर्मेधसम्	दुष्ट बुद्धिवाले मनुष्य को
दुरक्खं	दुरक्ष्यम्	कठिनाई से रक्षा करने योग्य
दुरच्चयं	दुरत्ययाम्	दुस्त्याज्य
दुरन्नया	दुरन्वया	कठिनाई से जानने योग्य
दुरभिरमं	दुरभिरामम्	कठिन
दुरावासा	दुरावासम्	निवास कठिन है
दुल्लभं	दुर्लभम्	दुर्लभ
दुस्सति	दुष्यति	दोष लगाता है
दुस्सीलो	दुःशीलः	दुःशील वाला मनुष्य
दूरतो	दूरतः	दूर से
दूरमं	दूरमम्	दूर है, कठिन है
देवानं	देवानाम्	देवताओं का
देसना	देशना	उपदेश
देसितं	देशितम्	बतलाये गये

ध

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
धंसिना	ध्वंसिना	नष्ट करने वाले के द्वारा
धम्म	धर्म	धर्म
धम्मट्ठो	धर्मस्थः, धर्मिष्ठः	धर्म में स्थित; धर्मात्मा
धम्मट्ठं	धर्मिष्ठम्	धर्मिष्ठ
धम्मा	धर्माः	धर्म
धम्मानुवत्तिनो	धर्मानुवर्तिनः	धर्म का अनुगमन करनेवाले
धम्मानं	धर्माणाम्	धर्मों का
धम्मिको	धार्मिकः	धार्मिक
धारये	धारयेत्	धारण करे
धीरा	धीराः	धैर्यशाली मनुष्य

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
धोरय्हसीलं	धौरेयशीलम्	कर्मठ मनुष्य

न

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
नक्खत्तपथं	नक्षत्रपथम्	नक्षत्र पथ
नग्ग	नग्न	नंगा
नत्थञ्ञो	नास्त्यन्यः (न + अस्ति + अन्यः)	दूसरा नहीं है
नत्थि	नास्ति	नहीं है
न प्पससंति	न प्रशंसन्ति	प्रशंसा नहीं करते हैं
नयती	नयते	ले जाता है
नये	नयेत्	ले जावे
नहातकं	स्नातकम्	स्नातक को
नागवनस्स	नागवनस्य	नागवन का
नागो	नागः	नाग, हाथी
नाञ्ञेसं	न अन्येषाम्	दूसरे का नहीं
नातिमञ्ञेय्य	नातिमन्येत	अवहेलना न करे
नानासका	नाऽनशनम्	न अनशन
नानुतप्पति	नाऽनुतप्यति	दुःखी नहीं होता
नानुपतंति	नाऽनुपतन्ति	गिरते नहीं हैं
नाप्पमज्जति	नाप्रमज्जति	डूबता नहीं है
नाब्बणं	नाव्रणम्	घाव रहित
निंदंति	निन्दन्ति	निन्दा करते हैं
निंदितो	निन्दितः	निन्दित
निंदितुमरहति	निन्दितुमर्हति	निन्दा के योग्य होता है
निंदं	निन्दाम्	निन्दा को
निकामसेय्यं	निकामशय्याम्	स्वेच्छापूर्ण निद्रा
निग्गय्हवादिं	निगृह्यवादिनम्	निगृहवादी को
निग्गहेस्सामि	निग्रहीष्यामि	पकड़ लूंगा
निच्चं	नित्यम्	नित्य
निच्चमेव	नित्यमेव	नित्य ही

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
निच्छेय्य	निश्चिनुयात्	निश्चय करे
निट्ठं गतो	निष्ठां गतः	निष्ठा को प्राप्त हुआ
निद्दायिता	निद्रायितः	निद्रालु
निद्धंतमलो	निर्धूतमलः	निष्पाप हुआ
निद्धमे	निर्धमेत्	दूर कर दे
निधीनं	निधीनाम्	निधियों का
निन्ने	निम्ने	नीचे
निपक्कं	निपक्वम्	परिपक्व
निब्बत्तती	निवर्तते	वापिस आता है
निब्बनथो	निबन्धनतः	बन्धन से
निब्बना	निर्वना	वन रहित
निब्बाणं	निर्वाणम्	निर्वाण
निब्बिंदती	निर्विन्दति	विरक्ति को प्राप्त होता है
निब्बुते	निर्वृतान्	निर्वृत हुओं को
निम्मला	निर्मला	निर्मल
निरत्थं	निरर्थम्	निरर्थक
निरयं	निरयम्	नरक
निरयम्हि	निरये	नरक में
निरुत्तिपदकोविदो	निरुक्तिपदकोविदः	पदों की निरुक्ति करने में चतुर
निवसये	निवसयेत्	निवास करे
निवापपुट्ठो	निवापपुष्टः	खा-पीकर पुष्ट बना हुआ
निवारिये	निवारयेत्	निवारण करे
निविट्ठो	निविष्टः	निविष्ट हुआ
निवेसेय्य	निवेशयेत्	लगावे
निसम्म	निशम्य	सुनकर
निस्साय	निःश्रित्य	आश्रय लेकर
निस्सितो	निःसृतः	निकला हुआ
निहीनकम्मा	निहीनकर्माणः	नीच कर्म करने वाले
नुदति	नुदति	हटाता है

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
नेक्खं	निष्कम्	मुद्रा
नेक्खम्मसुखं	नैष्कर्म्यसुखम्	नैष्कर्म्य सुख
नेक्खम्मूपसमे	नैष्काम्योपशमे	निष्काम कर्म द्वारा शान्ति में
नेतवे	नेतुम्	ले जाने को
नेतं	नैतत्	यह नहीं
नेस्सथ	नेष्यथ	ले जाओगे
नेरेसि	नेरयसि	निःशब्द कर लेते हो

प

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
पकासेंति	प्रकाशन्ते	प्रकाशित करते हैं
पक्खंदिना	प्रस्कन्दिना	पतित के द्वारा
पग्गय्ह	प्रगृह्य	पकड़कर
पगब्भेन	प्रगल्भेन	प्रगल्भ के द्वारा
पच्चति	पच्यते	परिपाक होता है
पच्चती	पच्यते	परिपाक होता है
पच्चंतं	प्रत्यात्मम्	प्रत्येक आत्मा को
पच्चंतं	प्रत्यन्तम्	सीमान्त
पचिनंतं	प्रचिन्वन्तम्	चयन करने वाले को
पच्चेति	प्रत्येति	पीछा करता है
पचेस्सति	प्रचेस्यति	चयन करेगा
पच्छतो	पश्चात्	पीछे
पच्छा	पश्चात्	पीछे
पज्जलिते	प्रज्वलिते	जलने पर
पजा	प्रजा	प्रजा
पजानाति	प्रजानाति	जानता है
पजं, पजां	प्रजाम्	प्रजा को
पञ्ञवा	प्रज्ञावान्	प्रज्ञावान्
पञ्ञा	प्रज्ञा	प्रज्ञा
पञ्ञाय	प्रज्ञया	प्रज्ञा से
पञ्ञानंतस्स	प्रज्ञावतः	प्रज्ञावान् का

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
पञ्ञं	प्राज्ञम्	प्राज्ञ को
पटि	प्रति	प्रति
पटिक्कोसति	प्रतिक्रोशति	निन्दा करता है
पटिगण्हंति	प्रतिगृह्णन्ति	स्वागत करते हैं
पटिजग्गेय	प्रतिजागृयात्	जाग्रत रहे
पटिपज्जथ	प्रतिपद्यध्वम्	चलो
पटिपन्ना	प्रतिपन्नाः	प्राप्त हुए
पटिवदेय्यु	प्रतिवदेयुः	उत्तर देंगे
पटिवातं	प्रतिवातम्	वायु के विरुद्ध
पटिसंथारवुत्तस्स	प्रतिसंस्तारवृत्तस्य	सेवा-सत्कार की वृत्ति वाला
पटिस्सता	प्रतिस्मृताः	स्मृतिमान् हुए
पठमं	प्रथमम्	पहिले
पठविं	पृथिवीम्	पृथ्वी को
पठवी	पृथिवी	पृथ्वी
पंडुपलासो	पाण्डुपलाशः	पीला पत्ता
पणिहितं	प्रणिहितम्	लगा हुआ
पणेति	प्रणयति	देता है
पतिट्ठिता	प्रतिष्ठिता	प्रतिष्ठित हुई
पतिरूपे	प्रतिरूपे	उचित वस्तु में
पतीतो	प्रतीतः	विश्वस्त हुआ
पत्तोसि	प्राप्तोऽसि	प्राप्त हो गये हो
पथव्या	पृथिव्याः	पृथ्वी का
पदा	पदानि	पैर
पदीपं	प्रदीपम्	दीपक
पदुट्ठेन	प्रदुष्टेन	दुष्ट हुए
पदुमं	पद्मम्	कमल
पदेसं	प्रदेशम्	प्रदेश
पधान	प्रधानः	प्रधान
पन	पुनः	फिर

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
पनुद	प्रणुद	भगा दो
पंतं	प्रान्ते	प्रान्त में
पपंच	प्रपञ्चः	प्रपंच
पपतन्ति	प्रपतन्ति	गिरते हैं
पपुप्फकानि	प्रपुष्पकानि	फूलों से युक्त
पप्पोति	प्राप्नोति	प्राप्त करता है
पब्बजितो	प्रव्रजितः	प्रव्रजित हुआ
पब्बतं	पर्वतम्	पर्वत
पब्बतट्ठो	पर्वतस्थः	पर्वत पर स्थित
पब्बतानं	पर्वतानाम्	पर्वतों का
पब्बाजयमत्तनो	प्रव्राजयन् आत्मनः	अपने को हटाता हुआ
पबुज्झंति	प्रबुध्यन्ते	प्रबुद्ध रहते हैं
पभासेति	प्रभासयति	प्रकाशित करता है
पभंगुणं	प्रभञ्जनम्	विनाश
पभंगुरं	प्रभङ्गुरम्	विनाशशील
पमज्जति	प्रमाद्यति	प्रमाद करता है
पमज्जित्वा	प्रमाद्य	प्रमाद करके
पमत्तचारिनो	प्रमत्तचारिणः	प्रमत्त होकर विचरण करने वाला
पमत्तानं	प्रमत्तानाम्	प्रमत्त हुए मनुष्यों का
पमत्तो	प्रमत्तः	प्रमत्त हुआ
पमादो	प्रमादः	प्रमाद
पमुच्चति	प्रमुच्यते	छूटता है
पमावखंति	प्रमोक्ष्यन्ते	मुक्त हो जायेंगे
पमोहनं	प्रमोहनम्	मोहित करने वाला
पयिरुपासति	पर्युपास्ते	पास रहता है
परक्कम्म	पराक्रम्य	प्रयत्न करके
परत्थ	परत्र	परलोक में
परत्थेन	परार्थेन	पराये अर्थ में

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
परदारं	परदारान्	पर स्त्री को
परदारूपसेवी	परदारोपसेवी	परस्त्री-गमन करने वाला
परदुक्खूपधाने	परदुःखोपदानेन	दूसरों को दुःख देने से
परम्हि	परस्मिन्	दूसरे में
परवज्जानुपस्सिस्स	परवद्याऽनुपश्यतः	दूसरों के दोष देखने वाले के
परस्स	परस्य	दूसरे का
परिक्कोसति	परिक्रोशति	निन्दा करता है
परिक्खयं	परिक्षयम्	विनाश
परिक्खीणा	परिक्षीणाः	क्षीण हुए
परिचरे	परिचरेत्	परिचर्या करे
परिञ्ञात	परिज्ञातः	जाना हुआ
परितस्सति	परित्रस्यति	भयभीत होता है
परिद्दवे	परिद्रवे	परिद्रव में
परिनिब्बुता	परिनिर्वृताः	निर्वाण को प्राप्त हुए
परिपक्को	परिपक्वः	पका हुआ
परिपूरति	परिपूर्यते	पूर्ण होता है
परिफंदतिदं	परिस्पन्दते इदम्	यह तड़फड़ाती है
परिब्बजंति	परिव्रजन्ति	विरक्त हो जाते हैं
परिब्बजे	परिव्रजेत्	विरक्त हो जावे
परिब्बाजो	परिव्राजकः	परिव्राजक
परिमुच्चति	प्रमुच्यते	छूट जाता है
परियोदपनं	पर्यवदापनम्	शुद्ध करने की क्रिया
परियोदपेय्य	पर्यवदापयेत्	शुद्ध करे
परिलाहो	परिदाहः	सन्ताप
परिवज्जेति	परिवर्जयति	परित्याग करता है
परसप्पंति	परिसर्पन्ति	चारों ओर घूमते हैं
परिहायति	परिहीयते	च्युत होता है
परूपघाती	परोपघाती	दूसरों का घात करने वाला
परे	परान्	दूसरों को

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
परेसं	परेषाम्	दूसरों का
परो	परः	दूसरा
पलवति	प्लवते	भटकता है
पलेति	पलायते	भाग जाता है
पल्ललं	पल्वलम्	जलाशय
पवड्ढति	प्रवर्धते	वृद्धि पाता है
पवड्ढंति	प्रवर्धन्ते	वृद्धि पाते हैं
पवत्तारं	प्रवक्तारम्	कहने वाले को
पवरं	प्रवरम्	श्रेष्ठ
पवाति	प्रवाति	बहता है, व्याप्त होता है
पविट्ठस्स	प्रविष्टस्य	प्रविष्ट हुए का
पविस्स	प्रविश्य	प्रवेश करके
पवुच्चति	प्रोच्यते	कहा जाता है
पवेदयंति	प्रवेदयन्ति	बतलाते हैं
पसन्नेन	प्रसन्नेन	प्रसन्न हुए के द्वारा
पसवति	प्रसूते	उत्पन्न करता है
पसादस्स	प्रसादस्य	प्रसाद का
पसुतो	प्रसितः	लगा हुआ
पसंसंति	प्रशंसन्ति	प्रशंसा करते हैं
पसंसासु	प्रशंसासु	प्रशंसा में
पसंसितो	प्रशंसितः	प्रशंसित
पस्स	पश्य	देखो
पस्सता	पश्यता	देखनेवाले या ज्ञानी के द्वारा
पस्सति	पश्यति	देखता है
पस्सतो	पश्यतः	देखते हुए
पस्सथिमं	पश्यतेमम्	इसे देखो
पस्से	पश्येत्	देखे
पहत्वान	प्रहाय	त्याग कर
पहरेय्य	प्रहरेत्	प्रहार करे

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
पहस्सथ	प्रहास्यथ	त्याग करोगे
पहाणं	प्रहाणम्	विनाश
पहातवे	प्रहातुम्	नष्ट करने को
पहीन	प्रहीणः	रहित, विहीन हुआ
पहीनस्स	प्रहीणस्य	विहीन हुए का
पाचेति	प्राजयति	ले जाता है
पाचेंति	प्राजयतः	ले जाते हैं
पाणानि	प्राणानि	प्राणियों को
पाणिनं	प्राणिनाम्	प्राणियों का
पाणिम्हि	पाणौ	हाथ में
पातिमोक्खे	प्रतिमोक्षे	मोक्ष के प्रति
पाथेय्यं	पाथेयम्	मार्ग का भोजन
पापधम्मा	पापधर्माः	पाप धर्म
पापस्मि	पापे	पाप में
पापा	पापात्	पाप से
पापानं	पापानाम्	पापों का
पापियो	पापीयांसम्	पापी को
पापुणे	प्राप्नुयात्	प्राप्त होता है
पामोज्जबहुलो	प्रामोद्यबहुलः	बहुत आनन्द वाला
पामोज्जं	प्रामोद्यम्	आनन्द
पारगू	पारगः	पारंगत हुआ
पि	अपि	भी
पित्तं	प्रियम्	प्रिय
पिथीयति	पिधीयते	ढँक जाता है
पियं	प्रियम्	प्रिय
पियग्गाही	प्रियग्राही	प्रिय का ग्रहण करने वाला
पियतो	प्रियतः	प्रिय से
पियानं	प्रियाणाम्	प्रियों का
पियापायो	प्रियापायः	प्रिय का दूर होना

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
पियाप्पियं	प्रियाप्रियम्	प्रिय तथा अप्रिय
पियेहि	प्रियैः	प्रियों से
पियो	प्रियः	प्रिय
पिहयं	स्पृहयन्	ईर्ष्या करता हुआ
पिहयंति	स्पृहयन्ति	चाह करते हैं
पिहेतत्तानुयोगिनं	स्पृहयेत् + आत्मा + अनुयोगिनम्	योगमार्ग पर चलने वाले से ईर्ष्या करता है
पीति	प्रीतिः	प्रीति
पीतिरसं	प्रीतिरसम्	प्रीति का रस
पुग्गलमेव	पुद्गलमेव	मनुष्य को ही
पुञ्ञानि	पुण्यानि	पुण्य
पुञ्ञो	पुण्यः	पुण्य
पुञ्ञं	पुण्यम्	पुण्य
पुत्ता	पुत्रः	पुत्र
पुत्तेसु	पुत्रेषु	पुत्रों पर
पुत्तं	पुत्रम्	पुत्र को
पुथुज्जने	पृथग्जने	मनुष्यों में
पुनप्पुनं	पुनः पुनः	बार-बार
पुप्फ	पुष्प	फूल
पुप्फानि	पुष्पाणि	फूल
पुब्ब	पूर्वः	पूर्व
पुब्बापरानि	पूर्वापराणि	आगे तथा पीछे वाले
पुरक्खता	पुरस्कृताः	आगे किये गये
पुरिसाधमे	पुरुषाधमान्	अधम पुरुष
पुरिसुत्तमे	पुरुषोत्तमान्	उत्तम पुरुष
पुरिसं	पुरुषम्	पुरुष को
पुरे	पुरा	पहले
पुरेक्खारं	पुरस्कारम्	पुरस्कार
पूजये	पूजयेत्	पूजन करे

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
पेच्च	प्रेत्य	मर कर
पेत्तेय्यता	पित्रीयता	पिता बनना
पेमतो	प्रेमतः	प्रेम से
पोक्खरपत्ते	पुष्करपत्रे	कमल-पत्र पर
पोक्खरा	पुष्करात्	कमल-पत्र से
पोराणमेतं	पुराणमेतद्	यह पुराना है

फ

फंदनं	स्पन्दनम्	विचलित होने वाला
फलमिच्छं	फलमिच्छन्	फल की इच्छा करता हुआ
फलितं	पलितम्	पक गया है
फल्लति	फुल्लति	प्रफुल्लित होता है
फरुसं	परुषम्	कठोर
फासुका	पार्शुकाः	कड़ियाँ
फुटो	स्फुटः	स्पष्ट
फुट्ठा	स्पृष्टाः	स्पर्श किये गये
फुसंति	स्पृशन्ति	स्पर्श करते हैं
फुसामि	स्पृशामि	स्पर्श करता हूँ
फुसेय्यु	स्पृशेयुः	स्पर्श करें
फेणु	फेन	फेन

ब

वड्ढंति	वर्धन्ते	बढ़ते हैं
बब्बजं	पर्वजम्	रस्सी का बना हुआ
बम्ह	ब्रह्म	ब्रह्म
बलीवद्दो	बलीवर्दः	बैल
बहवो	बहवः	बहुत
बहुं	बहु	बहुत
बहुज्जनो	बहुजनः	बहुत लोग
बहुभाणिनं	बहुभाषिणम्	बहुत बोलने वाला
बहुस्सुतं	बहुश्रुतम्	बहुत ज्ञानी

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
ब्रह्मञ्ञता	ब्राह्मणता	ब्राह्मणपन
ब्रह्मुना	ब्रह्मणा	ब्रह्मा ने
बालसंगत चारी	बालसंगति चारी	मूर्खों के साथ निवास करने वाला
बालानं	बालानाम्	मूर्खों का
बालेहि	बालैः	बालकों के द्वारा
बाहुसच्चेन	बहुसत्येन	सत्यवादिता से
बाहेत्वा	बाहयित्वा	परित्याग करके
बिप्पसन्नमनाविलं	विप्रसन्नम् अनाविलाम्	स्वच्छ एवं निर्मल
बुज्झति	बुध्यते	समझता है
बुद्धगता	बुद्धगता	बुद्ध में स्थित
बुद्धानं	बुद्धानाम्	बुद्धों का
बुद्धानमिञ्जितं	बुद्धानाम् इञ्जितम्	बुद्धों में अस्थिरता
बुब्बुलकं	बुद्बुदकम्	बुलबुला
ब्रूमि	ब्रूमि	कहता हूँ
ब्रूहय	वृंहय	चलो, पालन करो
	भ	
भग्गा	भग्नाः	टूट गये
भजस्सु	भजस्व	संगति कर
भजे	भजेत्	साथ करे
भजेथ	भजेत्	साथ करे
भञ्ञि	भनक्तु	नष्ट कर देवे
भणे	भणेत्	बोले
भणं	भणन्	बोलता हुआ
भद्दं	भद्रम्	भला
भत्तस्मि	भक्ते	भोजन में
भंतं	भ्रान्तम्	भ्रान्त हुआ
भ्रमरो	भ्रमरः	भ्रमर
भमस्सु	भ्रमतु	भ्रम में पड़

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
भवसल्लानि	भवशल्यानि	संसार के शूल
भवस्स	भवस्य	संसार का
भवाथ	भवत	बनो
भविस्सति	भविष्यति	होगा
भावये	भावयेत्	भावना करे, आचरण करे
भावेथ	भावयेत्	भावना करे, आचरण करे
भासति	भाषते	बोलता है
भिक्खते	भिक्षते	भिक्षा माँगता है
भिक्खवो	भिक्षवः	भिक्षुगण
भिक्खु	भिक्षुः	भिक्षु
भिक्खुनो	भिक्षोः	भिक्षु का
भिक्खुसु	भिक्षुषु	भिक्षुओं में
भिज्जति	भिद्यते	खण्ड-खण्ड हो जाता है
भिय्यो	भूयः	बहुत
भीतस्स	भीतस्य	भयभीत हुए का
भीताय	भीतायाः	भयभीत हुई का
भुंजति	भुङ्क्ते	खाता है
भुंजेय	भुञ्जीत्	भोजन करे
भुंजेय्य	भुञ्जीत	भोजन करे
भुत्तो	भुक्तम्	खाया हुआ
भुसं	बुसम्	भुसा
भूतेसु	भूतेषु	प्राणियों का
भूरिसंखयो	भूरिसङ्क्षयः	ज्ञान का क्षय
भूरिः	भूरिः	ज्ञान
भोगतण्हाय	भोगतृष्णया	भोगों की तृष्णा के द्वारा
भोजनम्हि	भोजने	भोजन में

म

मंतभाषी	मितभाषी	कम बोलने वाला
मंथति	मथ्नाति	मथन करता है

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
मक्कटको	मर्कटकः	मकड़ी
मक्खो	म्रक्षः	ईर्ष्या
मग्गमिसिप्पवेदितं	मार्गम् ऋषिप्रवेदितम्	ऋषियों के द्वारा बतलाया गया मार्ग
मग्गामग्गस्स	मार्गामार्गस्य	मार्ग-अमार्ग का
मग्गो	मार्गः	मार्ग
मग्गं	मार्गम्	मार्ग
मंकु	मूकः	मूक
मच्च	मर्त्य	मनुष्य, मरणशील
मच्चान	मर्त्यानाम्	मनुष्यों का
मच्चु	मृत्युः	मृत्यु
मच्चुधेय्यं	मृत्युधेयम्	मृत्यु का राज्य
मच्चुराजस्स	मृत्युराजस्य	यमराज का
मच्चेन	मर्त्येन	मनुष्य के द्वारा
मच्छरी	मत्सरी	मत्सरयुक्त
मच्छरं	मत्सरम्	मत्सर
मच्छेव	मत्स्य इव	मछली के समान
मज्झे	मध्ये	बीच में
मञ्ञति	मन्यते	मानता है
मञ्ञती	मन्यते	मानता है
मञ्ञंतु	मन्येताम्	मानें, अनुमोदन करें
मणिकुण्डलेसु	मणिकुण्डलेषु	मणिकुण्डलों में
मतञ्ञुं	मात्राज्ञः	परिमाण को जानने वाला
मत्तञ्ञुता	मात्राज्ञता	परिमाण का ज्ञान
मत्ता	मात्रा	परिमाण
मत्तासुखपरिच्चागा	मात्रासुखपरित्यागात्	थोड़े सुख के परित्याग से
मत्तेय्यता	मातृता, मात्रीयता	माता होना
मत्थि	मेऽस्ति, मे सन्ति	मेरा है, मेरे हैं
मद्दवानि	मृदूनि	कोमल

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
मनापस्सवना	मनःप्रस्रवणानि	मन को ले जाने वाला
मनुस्सेसु	मनेष्येषु	मनुष्यों में
मनोकोपं	मनःकोपम्	मन का क्रोध
मनोदुच्चरितं	मनो दुश्चरितम्	मन का दुश्चरित्र
मरीचिकं	मरीचिकाम्	मृग
मलित्थिया	मलं स्त्रियाः	स्त्री का मल
महग्घसो	महाघसः	ज्यादा खाने वाला
महद्धनो	महाधनः	बड़ी सम्पत्ति वाला
महप्फलं	महाफलम्	महान् फल
महापञ्ञो	महाप्राज्ञः	बड़ा चतुर
महोघो	महौघः	बड़ा जलप्रवाह
मातंगरञ्ञे	मातङ्गोऽरण्ये	जंगल में हाथी
मातरि	मातरि	माता में
माप्पमञ्ञेय	माऽवमन्येत	अवहेलना न करे
मारधेय्यं	मारधेयम्	मार का बन्धन
मारबंधना	मारबन्धनात्	मार के बन्धन से
मारस्स	मारस्य	मार का
मारस्सेतं	मारस्य एषः	मार का यह
मालुवा	मालुवा	मालुवा नाम की लता
मिच्छा	मिथ्या	झूठ
मिच्छादिट्ठिसमादाना	मिथ्यादृष्टिसमादानाः	झूठी धारणा को ग्रहण करते हुए
मित्ते	मित्राणि	मित्रगण
मिद्धो	मृद्धः	आलसी
मीयंते	म्रियन्ते	मरते हैं
मुच्चति	मुञ्चति	छोड़ता है
मुच्चेय्य	मुच्येत	मुक्त हो सके
मुत्तस्स	मुक्तस्य	मुक्त हुए मनुष्य का
मुत्तो	मुक्तः	मुक्त हुआ
मुद्धमस्स	मूर्धानमस्य	इसके मस्तक को

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
मुनाति	मनुते	मनन करता है
मुसावादिस्स	मृषावादिनः	झूठ बोलने वाले का
मुसावादं	मृषावादम्	झूठ बोलना
मुहुत्तं	मुहूर्तम्	क्षण
मूलघच्चं	मूलहतम्	जड़ से उखाड़ा गया
मूलहरूपो	मूढरूपः	मूर्ख
मेत्ताविहारी	मैत्रीविहारी	मैत्रीभाव से रहने वाला
मेधाविं	मेधाविनम्	मेधावी को
मोक्खति	मोक्ष्यन्ति	छूट जायेंगे
मोघजिण्णो	मोघजीर्णः	व्यर्थ का वृद्ध
मोनेन	मौनेन	मौन से
मोहमच्चगा	मोहमत्यगात्	मोह को पार कर लिया है
	य	
यजेथ	यजेत	यज्ञ करे
यत्थ	यत्र	जहाँ
यत्थकामं	यथाकामम्	कामनाओं के अनुसार
यत्रट्ठितो	यत्रस्थितः	जहाँ स्थित
यथञ्ञं	यथान्यम्	जैसे दूसरे को
यथात्तना	यथात्मना	जिस प्रकार अपने द्वारा
यथा पि	यथाऽपि	जैसे
यथासद्धं	यथाश्राद्धम्	श्रद्धा के अनुसार
यदायसं	यदायसम्	जो लोहे का बना हो
यंति	यान्ति	जाते हैं
यम्हा	यस्माद्	जिससे
यम्हि	यस्मिन्	जिसमें
यस्स	यस्य	जिसका
यस्सालया	यस्य आलयाः	जिसके घर
यसोभोगसमप्पितो	यशोभोगसमर्पितः	यश तथा भोग को समर्पित
याचितो	याचितः	माँगा गया

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
याति	याति	जाता है
यानेहि	यानैः	सवारियों से
यायं	योऽयम्	जो यह
याव	यावत्	जब तक
यावं	यावत्	जब तक
यावजीवं	यावज्जीवन्	जीवन भर
यावन्तेत्थ	यावन्तोऽत्र	जितने यहाँ
यिट्ठं	इष्टम्	यज्ञ किया
युंजति	युनक्ति	युक्त होता है
युंजनमत्तानं	युञ्जन्नात्मानम्	अपने को लगाता हुआ
येनत्थं	येनार्थम्	जिससे कार्य को
येनिच्छकं	यथेच्छम्	इच्छा के अनुसार
येव	एव	ही
येसं	येषाम्	जिनका
योगास्मि	योगे	योग में
योगा	योगात्	योग से
योऽतिवाक्यं	योऽतिवाक्यम्	जो अतिवाक्य को
योध	यः इह	जो यहाँ
योधेथ	युध्येत	युद्ध करे
योनिजं	योनिजम्	योनि से उत्पन्न हुआ
योब्बने	यौवने	युवावस्था में
यं	यत्	जो
यंच्चे	यत् चेत्	जो यदि

र

रक्खतो	रक्षतः	रक्षक का
रक्खे	रक्षेत्	रक्षा करे
रक्खेथ	रक्षेत्	रक्षा करे
रक्खेय	रक्षेत्	रक्षा करे
रज्जेन	राज्येन	राज्य से

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
रट्ठं	राष्ट्रम्	राष्ट्र को
रत्ति	रात्रि	रात
रथूपमं	रथोपमम्	रथ के समान
रंधयुं	रन्धतु	जलावे
रमती	रमते	रमण करता है
रमितो	रत:	रत
रमिस्संति	रंस्यते	रमण करेंगे
रहदो	ह्रद:	जलाशय
रामणेय्यकं	रमणीयका	रमणीक
रासिम्हा	राश्याम्	राशि में
रुक्ख	वृक्ष	वृक्ष
रूपस्मि	रूपे	रूप में
रूहति	रोहति	बढ़ता है
रोदं	रुदन्	रोता हुआ
	ल	
लज्जंति	लज्जन्ते	लज्जा करते हैं
लज्जरे	लज्जिता	लज्जित
लज्जिताये	लज्जार्हे	लज्जा के योग्य
लपयंति	प्रलपन्ति	प्रलाप करते हैं
लभेथ	लभेत	प्राप्त करे
लहुनो	लघुन:	हल्का, छोटा
लहुमेस्सति	लघुत्वम् एष्यति	हल्का हो जायेगा
लिंपति	लिप्यते	लिप्त होता है
लोहगुलं	लोहगोलम्	लोहे का गोला
	व	
वचीदुच्चरितं	वचो दुश्चरितम्	वाणी का दुश्चरित्र
वचीपकोपं	वच: प्रकोपम्	वाणी का क्रोध
वच्छो	वत्स:	बछड़ा
वजंति	व्रजन्ति	जाते हैं

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
वजिरं	वज्रम्	वज्र
वज्ज	१. वर्ज्य	वर्जनीय
	२. वद्य	दोष
वज्जमञ्ञेसं	वद्यमन्येषाम्	दूसरों का दोष
वज्जमतिनो	वद्यमतयः	दोष बुद्धि वाले
वज्जये	वर्जयेत्	रोक दे
वड्ढति	वर्धन्ते	बढ़ता है
वड्ढंति	वर्धन्ते	बढ़ते हैं
वणो	व्रणः	घाव
वण्ण	वर्ण	वर्ण
वण्णपोक्खरताय	वर्णपुष्करतया	वर्ण के सौंदर्य से
वण्णवंतं	वर्णवत्	वर्ण युक्त
वण्णस्स	वर्णस्य	वर्ण का
वण्णे	वर्णे	वर्ण में
वण्णो	वर्णः	वर्ण
वतवंतं	व्रतवन्तम्	व्रतवाले को
वतं	व्रतम्	व्रत
वत्तिनो	वर्त्तिनः	पालन करने वाले
वत्थं	वस्त्रम्	वस्त्र
वद्ध	वृद्ध	बूढ़ा
वनथं	वनथम्	झाड़ी
वनंते	वनान्ते	वन में
वनमुत्तो	वनमुक्तः	वन से मुक्त हुआ
वनाधिमुत्तो	वनेऽधिमुक्तः	वन से मुक्त हुआ
वंत	वान्त	रहित
वंतदोषो	वान्तदोषः	दोष रहित
वंतमलो	वान्तमलः	मल रहित
वंतलोकामिसो	वान्तलोकामिषः	सांसारिक प्रलोभनों को छोड़ने वाला

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
वंतासो	वान्ताश:	आशा का त्याग करने वाला
वयो	वय:	अवस्था
वरत्तं	वरत्राम्	वरत्रा को
वरमस्सतरा	वरमश्वतरा	खच्चर श्रेष्ठ है
वसं	वशम्	वश
वस्ससतं	वर्षशतम्	सौ वर्ष
वस्सिकी	वार्षिकी	जुही
वस्सेन	वर्षेण	वर्ष से
वाक्करणमत्तेन	वाक्करणमात्रेण	केवल वक्ता होने के कारण
वाचानुरक्खी	वाचानुरक्षी	वाणी की रक्षा करने वाला
वाचाय	वाचा	वाणी से
वाणिजो	वणिक्	व्यापारी
वायम	व्यायामे	व्यायाम में
वाहा	प्रवाह	प्रवाह
विगतिच्छेसु	विगतेच्छुषु	इच्छा विहीनों में
विज्जति	विद्यते	है, वर्तमान है
विज्जंति	विद्यन्ते	हैं, वर्तमान हैं
विजानतं	विजानताम्	ज्ञानी लोगों का
विज्जा	विद्या	विद्या
विजेस्सति	विजेष्यति	जीतेगा
विञ्ञाणो	विज्ञान:	विज्ञान
विञ्ञापनिं	विज्ञापनीम्	ज्ञानवर्धक
विञ्ञाय	विज्ञाय	जानकर
विञ्ञू	विज्ञ:	विज्ञ, विचारवान्
वितक्कपमथितस्स	वितर्कप्रमथितस्य	सन्देह में फँस हुए का
वितक्कूपसमे	वितर्कोपशमे	संदेह के शांत करने में
वितिण्ण	वितीर्ण	पार गया हुआ
विनिच्छयेन	विनिश्चयेन	निश्चय से
विनोदये	विनोदयेत्	दूर कर देवे

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
विप्पजहेय्य	विप्रजह्यात्	त्याग दे
विप्पमुंचेथ	विप्रमुच्येत्	त्याग दे, छोड़ दे
विप्पमुत्तस्स	विप्रमुक्तस्य	मुक्त हुए मनुष्य का
विप्पसन्नेन	विप्रसन्नेन	प्रसन्न हुए
विप्पसीदंति	विप्रसीदन्ति	सन्तुष्ट हो जाते हैं
विप्पहाय	विप्रहाय	परित्याग करके
विपस्सति	विपश्यति	देखेगा
विपस्सतो	विपश्यतः	देखने वाले का
विपाकं	विपाकम्	परिणाम
विपातयं	विपातयन्	छिन्न-भिन्न करते हुए
विमुत्त	विमुक्त	मुक्त हुआ
विमुत्तमानसो	विमुक्तमानसः	मुक्त हुआ मन
विमुत्तानं	विमुक्तानाम्	मुक्त हुए मनुष्यों का
विमोक्खो	विमोक्षः	मोक्ष
विय	इव	समान
विरजमासीनं	विरजम् आसीनम्	रजहीन व बैठा हुआ
विरागमत्तनो	विरागमात्मनः	अपना वैराग्य
विरिय	वीर्य	वीर्य
विरियेन	वीर्येण	वीर्य से, शक्ति से
विरुज्झति	विरुध्यते	क्षुब्ध होता है
विरुद्धेसु	विरुद्धेषु	विरुद्धों में
विविच्चसयनेन	विविक्तशयनेन	एकान्त शयन से
विसं, विस्सं	विश्वम्	समस्त
विसंखारगतं	विसंस्कारगतम्	संस्काररहित
विसंयुत्तं	विसंयुक्तम्	अनासक्त
विसत्तिका	विषात्मिका	विष से भरी
विसत्तिको	विषात्मिकः	विष से भरा
विस्सास	विश्वास	विश्वास
विस्सासमापादि	विश्वासं मा पादिः	विश्वास मत करो

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
विसुज्झति	विशुद्धयति	शुद्ध होता है
विसुद्धिया	विशुद्धये	विशुद्धि के लिए
विसोधये	विशोधयेत्	साफ करे
विहञ्ञति	विहन्यते	दुःख पाता है
विहराम	विहरामः	विहार करते हैं
विहरिनं	विहारिणम्	विहार करने वाले को
विहाहिसि	विहरिष्यसि	विहार करोगे
वुच्चति	उच्यते	कहा जाता है
वुज्झति	बुध्यते	समझता है
वुट्ठि	वृष्टिः	वर्षा
वुत्ता	उक्ताः	बोले गये
वेरसंसग्गसंसट्ठो	वैरसंसर्गसंसक्तः	शत्रु के संसर्ग में पड़ा हुआ
वेरा	वैरात्	शत्रुता से
वेरिनेसु	वैरिषु	शत्रुओं में
वेरेन	वैरेण	शत्रुता से
वेय्यग्घ पंचमं	व्याघ्रश्च पञ्चमम्	पाँचवां व्याघ्र
व्यंति काहिति	व्यन्ती करिष्यति	काट देगा
व्यासत्त	व्यासक्त	आसक्त हुआ

स

संकप्पो	सङ्कल्पः	संकल्प
संकस्सरं	संकृच्छम्	अशुद्ध
संकार	सङ्कार	कूड़ा-कर्कट
संकारधानस्मि	सङ्कारधाने	कूड़ा-कर्कट युक्त
संकिलिट्ठेन	सङ्क्लिष्टेन	क्लेश युक्त के द्वारा
संकिलिस्सति	सङ्क्लिष्यति	क्लेश देगा
संकिलिट्ठं	सङ्क्लिष्टम्	क्लेश युक्त
संखत	सङ्ख्यात	वर्णित
संखयम्हि	सङ्क्षये	क्षय होने पर
संखाय	साङ्ख्येन	ज्ञान मार्ग से

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
संखारा	संस्काराः	संस्कार
संखारूपसमं	संस्कारोपशमम्	संस्कारों का शमन
संगामे	सङ्ग्रामे	संग्राम में
संघगतो	सङ्घगतः	संघ में स्थित
संघस्स	सङ्घस्य	संघ का
संतचित्तस्स	शान्तचित्तस्य	शान्त चित्त वाले का
संतरबाहिरं	सान्तर्बाह्यम्	भीतर तथा बाहर
संतस्स	श्रान्तस्य	थके हुए का
संतिके	अन्तिके	समीप
संतुट्ठि	सन्तुष्टिः	सन्तोष
संतुसितः	सन्तुष्ट	संतुष्ट
संतो	शान्तः	शान्त
संथार	संस्तार	सेवा-सत्कार
संधाविस्सं	समधाविषम्	मैं दौड़ा
संपजाननं	सम्प्रजानानाम्	सचेत मनुष्यों का
संपयातो	सम्प्रयातः	पहुँच गया है
संपस्सं	सम्पश्यन्	देखते हुए
संबुद्धानं	सम्बुद्धानाम्	सबुद्धों का
संयमयत्तानं	संयमयात्मानम्	अपने को संयमित करे
संयमेस्संति	संयंस्यन्ति	संयमन कर लेंगे
संयोजनसंसत्तका	संयोजनसंसक्तका	बंधनों में फँसे हुए
संयोजनं	संयोजनम्	बन्धन
संवरो	संवरः	पालन करना
संवासो	संवासः	निवास
संवुता	संयताः, संवृताः	संयत हुए
संवुतो	संयतः, संवृतः	संयत हुआ
सकुंतानं	शकुन्तानाम्	पक्षियों का
सकुंतो	शकुन्तः	पक्षी
सक्का	शक्यम्	समर्थ

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
सक्कारं	सत्कारम्	सत्कार
सग्गाय	स्वर्गाय	स्वर्ग के लिए
सग्गं	स्वर्गम्	स्वर्ग
सच्चवादिनं	सत्यवादिनम्	सत्य बोलने वाले को
सच्चानं	सत्यानाम्	सत्य बोलने वालों का
सचित्त	स्वचित्त	अपना चित्त
स चे	स. चेत्	यदि वह
सच्चेन	सत्येन	सत्य से
सच्चं	सत्यम्	सत्य
सज्जुं	सद्यः	शीघ्र
सठो	शठः	शठ
सतानं	सताम्	सज्जनों का
सत्ता	सत्वाः	प्राणी
सति	स्मृतिः	स्मृति
सतिमा	स्मृतिमान्	स्मृति वाला
सतिमंतो	स्मृतिमन्तः	स्मृति वाले
सतीमतं	स्मृतिमताम्	स्मृतिमानों का
सतं	सताम्	सज्जनों का
सदत्थ	सदर्थ	शुभ कार्य
सदत्थपसुतो	सदर्थप्रसितः	शुभ कार्य में लग्न
सदिसमत्तनो	सदृशमात्मनः	अपने समान
सद्धम्म	सद्धर्म	सद्धर्म
सद्धम्मदेसना	सद्धर्मदेशना	सद्धर्म का उपदेश
सद्धम्मा	सद्धर्मात्	सद्धर्म से
सद्धाय	श्रद्धया	श्रद्धा से
सद्धि चरं	सार्धं चरम्	साथ में चलने वाला
सद्धोसीलेन	श्रद्धाशीलेन	श्रद्धा और शील से
सनंतनो	सनातनः	सनातन
सन्निवासो	सन्निवासः	निवास

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
सप्पुरिसो	सत्पुरुष:	सत्पुरुष
सप्पुरिसं	सत्पुरुषम्	सत्पुरुष को
सवणं	श्रवणम्	सुनना
सब्ब	सर्वं	सब
सब्बगंथप्पहीनस्स	सर्वग्रन्थप्रहीणस्य	सब ग्रंथियों से छूटने वाले का
सब्बं जहो	सर्वं जह:	सब कुछ त्यागने वाला
सब्बथ	सर्वत्र	सब जगह
सब्बदा	सर्वदा	सदैव
सब्बधी	सर्वत:	सब ओर से
सब्बमतिक्कमेय्य	सर्वमतिक्रमध्वम्	सबको अतिक्रमण कर दो
सब्बमहोरत्तं	सर्वमहोरात्रम्	दिन रात
सब्बयोगविसंयुत्तं	सर्वयोगविसंयुक्तम्	सब योगों से अनासक्त
सब्बलोकाभिभुं	सर्वलोकाभिभुवम्	सब लोकों का विजेता
सब्बसो	सर्वश:	बिलकुल
सब्बा	सर्वा:	सब
सब्बानि	सर्वाणि	सब
सब्बाभिभू	सर्वाभिभू:	सबको परास्त करने वाला
सब्बाविदूहमस्मि	सर्वविदहमस्मि	मैं सब कुछ जानने वाला हूँ
सब्भि	सद्भ्य:	सज्जनों से
समग्गानं	समग्राणाम्	समग्रताओं का
समचरिया	समचर्य:	समता का अभ्यास करनेवाला
समणे	श्रमणे	श्रमण में
समणो	श्रमण:	श्रमण
समतिक्कंते	समतिक्रान्ते	अतिक्रान्त
समथं	शमताम्	शान्ति को
समप्पिता	समर्पिता:	समर्पित हुए
सम्मति	शाम्यति	शान्त होता है
सम्मंति	शाम्यन्ति	शान्त होते हैं
सम्मदक्खाते	सम्यगाख्याते	भली प्रकार से उपदिष्ट किये गये

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
सम्मदञ्ञा	सम्यग्ज्ञान	सम्यग्ज्ञान
सम्मप्पजानानं	सम्यक् प्रजानानाम्	सम्यक् प्रकार से जानते हुओं का
सम्मप्पञ्ञाय	सम्यक् प्रज्ञया	सम्यक् ज्ञान से
समागच्छि	समागमत्	जाओ
सम्मा	सम्यक्	अच्छी तरह
सम्मापणिहितं	सम्यक् प्रणिहितम्	अच्छी तरह लगा हुआ
समिञ्जंति	समीर्यन्ते	विचलत होते हैं
समितत्ता	शमितत्वात्	शमन होने से
समिद्धिम्	समृद्धिम्	समृद्धि
समुद्द	समुद्र	समुद्र
समुस्सयो	समुच्छ्रयः	शरीर
समुस्सितं	समुच्छ्रितम्	फूला हुआ
समूहतं	समूहितम्	उखड़ गया है
सयन	शयन	बिस्तर
सरण	शरण	शरण
सरा	शराः	बाण
सरीरस्स	शरीरस्य	शरीर का
सल्लसंथनं	शल्यसन्थानम्	दुःख का विनाश
सलाभं	स्वलाभम्	अपना लाभ
सवणं	श्रवणम्	सुनना
सवन्ति	स्रवन्ति	बहते हैं
सब्बे	सर्वे	सब
सब्बेसं	सर्वेषाम्	सबों का
सस्सता	शाश्वतः	सदैव रहने वाला
ससो	शशः	खरगोश
सहते	साहयति	घेर लेता है, परास्त करता है
सहस्सं	सहस्रम्	हजार
साटिया	शाट्या	चर्म
सातच्चकारिनो	सातत्यकारिणः	सदैव करने वाला

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
सातसिता	स्रोत:सृता:	प्रवाह में पड़े हुए
सानि	स्वानि	स्वयं के
सानुचरे	सानुचरेत्	विचरण करे
सानुचरं	साऽनुचरम्	अनुचरों सहित, प्रजा सहित
सामग्गी	सामग्री	सामग्री
सामञ्ञता	श्रमणता	श्रमणपन
सामञ्ञस्स	श्रामण्यस्य	श्रमणपन का
सामञ्ञं	श्रामण्यम्	श्रमणपन
सायिका	शायिका	विस्तर, शयन
सारत्त रत्ता	सारवद् रक्ता:	अनुरक्त हुए
सारथिं	सारथिम्	सारथि
सारदिकं	शारदिकम्	शरदृतु का
सारंभकथा	संरम्भकथा	कठोर वचन
सारंभो	सारम्भ:	प्रतिहिंसा
सालं	शालम्	शालवृक्ष
सावके	श्रावके	श्रावक में
सावको	श्रावक:	श्रावक
सासनं	शासनम्	शासन
सासपोरिव	सर्षप: इव	सरसों के समान
सित्ता	सिक्ता:	उलीचा गया, सींचा गया
सिथिलं	शिथिलम्	शिथिल
सिनेहमत्तनो	स्नेहमात्मन:	अपना स्नेह
सिनेहितानि	स्निग्धानि	स्नेह किये गये
सिया	स्यात्	होवे
सीधस्सो	शीघ्राश्व:	शीघ्रगामी घोड़ा
सीतिभूतं	शीतीभूतम्	ठण्डा हुआ
सीलदस्सनसंपन्नं	शीलदर्शनसम्पन्नम्	शील दर्शन से युक्त
सीलब्बतमत्तेन	शीलव्रतमात्रेण	सदाचार व्रत मात्र से
सीलवा	शीलवान्	शीलवान्

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
सीलवंतस्स	शीलवत:	सदाचारी का
सीलसंवुतो	शीलसंयुत:	शील युक्त
सीलेन	शीलेन	शील से
सुकरानि	सुकराणि	सरल
सुक्कं	शुक्लम्	शुक्ल
सुक्कंसं	शुक्लांशम्	शुक्ल अंश
सुखमेसानो	सुखमीप्सान:	सुख की कामना करने वाला
सुखसंवासो	सुखसंवास:	सुख पूर्ण निवास
सुखुमो	सूक्ष्म:	सूक्ष्म
सुखेसिनो	सुखैषिण:	सुख चाहने वाला
सुगतिनो	सुकृतिन:	पुण्यकर्म करने वाले
सुगतेन	सुगतेन	सुगत के द्वारा
सुग्गतिं	सुगतिम्	सुगति
सुचरितं	सुचरितम्	अच्छा चरित्र
सुचि	शुचि	पवित्र
सुजीवं	सुजीवितम्	जीवन
सुञ्ञतो	शून्यत:	शून्य
सुञ्ञागारं	शून्यागारम्	शून्य घर
सुत्तं	सुप्तम्	सोया हुआ
सुत्वा	श्रुत्वा	सुनकर
सुत्वान	श्रुत्वा	सुनकर
सुत्तेसु	सुप्तेषु	सोये हुओं पर
सुदंतेन	सुदान्तेन	दमन किये हुए के द्वारा
सुदंतो	सुदान्त:	दमन किया गया
सुदस्सं	सुदर्शम्	सरलता से देखने योग्य
सुदुत्तरं	सुदुस्तरम्	कठिनाई से पार जाने योग्य
सुदुद्दसं	सुदुर्दर्शम्	कठिनाई से देखे जाने योग्य
सुदेसितं	सुदेशितम्	भली प्रकार से उपदिष्ट
सुद्धस्स	शुद्धस्य	शुद्ध मनुष्य के लिए

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
सुद्धाजीवेन	शुद्धाजीवेन	शुद्ध जीविका वाले से
सुद्धि	शुद्धि	शुद्धि
सुपरिसंवुता	सुपरिसंयताः	सुसंयत
सुप्पबुद्धं	सुप्रबुद्धम्	प्रबुद्ध बने हुए को
सुब्बता	सुव्रताः	व्रतवाले
सुभानुपस्सिनो	शुभानुपश्यतः	शुभ वस्तुओं को देखने वाले का
सुमरति	स्मरति	स्मरण करता है
सुरक्खितं	सुरक्षितम्	सुरक्षित
सुसमारद्धा	सुसमारब्धाः	आरंभ किये गये हैं
सुसंवतो	सुसंयतः, सुसंवृतः	संयत बना हुआ
सुहज्जा	सुहृदा	सुहृद् वर्ग
सेखो	शैक्ष	शैक्ष शिष्य
सेट्ठतं	श्रेष्ठताम्	श्रेष्ठता को
सेट्ठा	श्रेष्ठाः	श्रेष्ठ
सेट्ठो	श्रेष्ठः	श्रेष्ठ
सेट्ठं	श्रेष्ठम्	श्रेष्ठ
सेति	शेते	सोता है
सेंति	शेरते	सोते हैं
सेलो	शैलः	पर्वत
सेलं	शैलम्	पर्वत
सेय्यसो	श्रेयांसः	अधिक भलाई
सेय्यो	श्रेयः	भलाई
सेय्यं	श्रेयांसम्	अधिक भलाई को
सेवंति	सेवन्ते	सेवा करते हैं
सेवेय्य	सेवेत	सेवा करे, सेवन करे
से हि	स हि	वह
सोः	सः	वह
सोको	शोकः	शोक
सोचति	शोचति	शोक करता है

पालि रूप	संस्कृत रूप	हिन्दी शब्दार्थ
सोतापत्तिफलं	स्रोत आपत्ति फलम्	स्रोतः पत्ति का फल
सोत्थिमागतं	स्वस्थमागतम्	कुशलतापूर्वक आया हुआ
सोत्थिये	श्रोत्रियौ	दो श्रोत्रिय
सोधेंति	शोधयन्ति	शुद्ध करते हैं
सोमनस्सानि	सौमनस्याः	प्रसन्न करने वाला
सोर्लसि	षोडशीम्	सोलहवीं

ह

हत्थमेवानुकंतति	हस्तम् एव अनुकृन्तति	हाथ को ही काटता है
हत्थसंयतो	हस्तसंयतः	हाथ से संयत
हत्थिप्पभिन्नं	हस्तिनं प्रभिन्नम्	मतवाले हाथी को
हनन्ति	घ्नन्ति	मार डालते हैं
हन्त्वा	हत्वा	मार कर
हन्नेय्य	हन्यात्	मारे
हरेय्य	हरेत्	हरण करे
ह वे	ह वै	वास्तव में
हापये	हापयेत्	परित्याग करे
हित्वा	हित्वा	त्याग कर
हिमवंतो	हिमवन्तः	बर्फीले
हिरीमता	ह्रीमता	लज्जावान् के द्वारा
हिंसति	हिनस्ति	मार डालता है
हुरं	अहः	दिन
हुराहुरं	अहरहः	दिनों दिन
हेमंतगिम्हिसु	हेमन्तग्रीष्मयोः	हेमन्त व ग्रीष्म में
होति	भवति	होता है
होथ	भवत	हो जाओ

कतिपय परीक्षोपयोगी प्रश्नोत्तरात्मक ग्रन्थ

साहित्यदर्पणालोकः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री रामजी लाल शर्मा २०-००
काव्यप्रकाश-रहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री रामजी लाल शर्मा २०-००
चन्द्रालोक-रहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। मानवल्ली तथा बेताल २०-००
शिशुपालवध-रहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः) १-४ सर्ग। अशोकचन्द्र गौड़ २०-००
सांख्यकारिकादर्शः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री राजेन्द्रप्रसाद कोठयारी १०-००
अलङ्कारशास्त्रस्येतिहासः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्रीपरमेश्वरदीन पाण्डेय १०-००
नलचम्पू-रहस्यम्(प्रश्नोत्तरात्मकः)। १-५उच्छ्वास। परमेश्वरदीनपाण्डेय १२-५०
वेदान्तसार-प्रदीपः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री राजेन्द्रप्रसाद कोठयारी १०-००
मध्यसिद्धान्तकौमुदी-चन्द्रिका (प्रश्नोत्तरात्मकः)। विजयमित्र शास्त्री ४०-००
मृच्छकटिक-सोपानम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। डॉ० नरेश झा १५-००
वेणीसंहार-रहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय १२-५०
नैषध-रहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। १-५ सर्ग। श्री रमाशंकर मिश्र २०-००
दशरूपक-रहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री त्रिलोकीनाथ द्विवेदी १५-००
भट्टिकाव्य-दर्पणः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री प्रज्ञान भिक्षु। १-४ सर्ग १५-००
५-८ सर्ग १५-००
भट्टिकाव्यलोकः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। रमाशंकर मिश्र।१४-१७ सर्ग १५-००
१८-२२सर्ग १५-००
चन्द्रकलानाटिका-रहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय ७-५०
संस्कृतसाहित्येतिहासः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री परमानन्द शास्त्री १२-५०
रसगङ्गाधर-हृदयम्। (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री ज्ञानचन्द्र त्यागी २०-००
लघुसिद्धान्तकौमुदी-चन्द्रिका (प्रश्नोत्तरात्मकः)। विजयमित्र शास्त्री २५-००
कादम्बरी-कलाप्रकाशः (प्रश्नोत्तरात्मकः) डॉ० नरेश झा २०-००
लघुमञ्जुषारहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। स्वामी रामेश्वर पुरी १०-००
शाकुन्तलरहस्यम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। श्री त्रिलोकीनाथ द्विवेदी २०-००
मेघदूत-तत्त्वालोकः (प्रश्नोत्तरात्मकः)। डॉ० अशोकचन्द्र गौड़ शास्त्री १२-५०
महाभाष्यनवाह्निकालोचनम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। विजयमित्र शास्त्री १६-००
मुक्तावली प्रकाशः (न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-प्रश्नोत्तरी)।
श्री राजेन्द्रप्रसाद कोठयारी २०-००
औचित्यविचारचर्चा-मञ्जरी (प्रश्नोत्तरात्मकः)। डॉ० नरेश झा १२-५०
वक्रोक्तिजीवितम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। डॉ० नरेश झा ७-५०
भारतीयसंस्कृति-सोपानम् (प्रश्नोत्तरात्मकः)। डॉ० शिवप्रसाद द्विवेदी १२-५०